CALL@7235808541

An initiative of VISIONIAS
Galaxy
Achieve Your Goal

चीता

चीता परियोजना चर्चा में क्यों?

- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने मध्यप्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान और अन्य सुरक्षित क्षेत्रों में चीता परियोजना की निगरानी के के लिए नौ सदस्यों के कार्यदल का गठन किया है।
- यह कार्यदल दो वर्ष तक काम करेगा और इसकी बैठक हर महीने होगी। इसे सुरक्षित क्षेत्रों में चीतों के स्वास्थ्य पर निगरानी रखने का काम सौंपा गया है।

चीता परियोजना

- प्रोजेक्ट चीता, भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसका उद्देश्य इस प्रजाति को भारत के अपने ऐतिहासिक निवास-स्थल में फिर से स्थापित करना है।
- बड़े मांसाहारी जंगली जानवरों के अंतर-महाद्वीपीय स्थानांतरण की यह विश्व की पहली परियोजना है।
- प्रोजेक्ट चीता के तहत आठ चीते नामीबिया से भारत लाये गये हैं।
- भारत में चीतों की आबादी 19वीं शताब्दी के दौरान घट गई। भारत और नामीबिया सरकार के बीच 20 जुलाई 2022 को अनुबंध हुआ था।

चीता

बड़ी बिल्लियों की सबसे पुरानी प्रजाति

खोज - मियोसीन युग में

दुनिया का सबसे तेज़, भूमि स्तनपायी

अफ्रीकी चीता	एशियाई चीता
⋆ **वैज्ञानिक नाम:** एसिनोनिक्स जुबेटस	⋆ **वैज्ञानिक नाम:** एसिनोनिक्स जुबेटस वेनेटिकस
विशेषताएँ • त्वचा थोड़ी भूरी और सुनहरी एवं एशियाई चीतों से मोटी • चेहरे पर बहुत अधिक धब्बे और रेखाएँ	**विशेषताएँ** • अफ्रीकी चीता की तुलना में छोटा • शरीर पर बहुत अधिक फर, छोटा सिर व लंबी गर्दन • आँखें लाल और ये प्राय: बिल्ली के समान दिखते हैं
वितरण पूरे अफ्रीकी महाद्वीप में हज़ारों की संख्या में	**वितरण** केवल ईरान में
संरक्षण स्थिति • IUCN रेड लिस्ट: 'सुभेद्य' (Vulnerable) • CITES: सूची का परिशिष्ट-I • वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972: परिशिष्ट-2.	**संरक्षण स्थिति** • IUCN रेड लिस्ट: 'अति संकटग्रस्त' (Critically Endangered) • CITES: परिशिष्ट-I • WPA: अनुसूची-2